मिथिला की लोक-संस्कृति

डॉ. राय एवं महतो

इस पुस्तक का कोई भी भाग किसी भी रूप में या किसी भी अर्थ में प्रकाशक की अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता। सर्वाधिकार लेखक के अधीन है।

प्रकाशक :
अभिषेक प्रकाशन
सी-30, द्वितीय तल, न्यू मोती नगर, नई दिल्ली-110015
ऑफिस : 011-46510739, मो. : 9811167357, 8368127189
ई-मेल : abhishekprakashan@gmail.com

प्रथम संस्करण : 2019

© लेखक

ISBN : 978-81-8390-320-2

मूल्य : 800/-

अक्षरसंयोजक :
ए-वन ग्राफिक्स
सी-30, द्वितीय तल, न्यू मोती नगर, नई दिल्ली-15
मो. : 9811167357, 8368127189

मुद्रक :
आर. आर. प्रिण्टर्स, दिल्ली-110053

MITHILA KI LOK-SANSKRITI
by Ray-Mahato

(Culture)
Price : 800/-

डॉ. यदुनन्दन राय

जन्म : 01.01.1948 ई.

स्थान : सोनपताही, मधुबनी (बिहार)

शिक्षा : एम.ए. (हिन्दी, संस्कृत), पी-एच.डी. (हिन्दी)।

सेवानिवृत्त शिक्षक (बिहार सरकार) 2007

आचार्य धर्मशास्त्र-2015

संगीत प्रभाकर-2016

सम्प्रति : स्वतन्त्र अध्ययन-अध्यापन

डॉ. सुरेन्द्र महतो

जन्म : 05.02.1973 ई.

स्थान : धर्मडीहा, मधुबनी (बिहार)

शिक्षा : पी.जी.-(संस्कृत, हिन्दी, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र एवं शिक्षाशास्त्र) पी-एच.डी. (संस्कृत एवं शिक्षाशास्त्र)।

सम्प्रति : सहायक आचार्य (शिक्षाशास्त्र), श्री ला. ब. शा. रा. सं. विद्यापीठ, नई दिल्ली-16

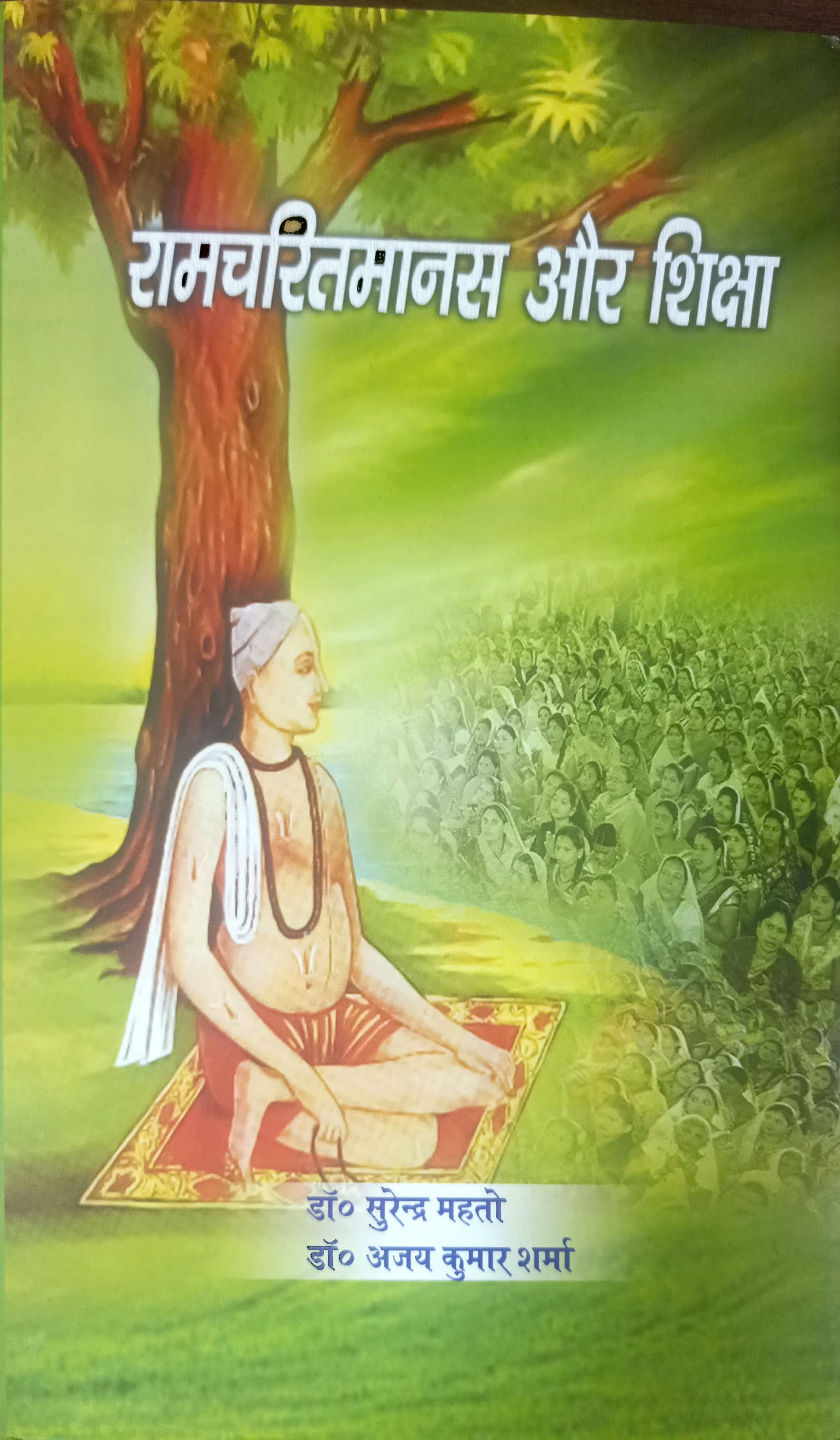

रामचरितमानस और शिक्षा

डॉ० सुरेन्द्र महतो
डॉ० अजय कुमार शर्मा

© प्रकाशकाधीन

ISBN : 978-81-952904-4-4

प्रकाशन वर्ष : २०२२ ई.

मूल्य : रु० ५००/-

प्रकाशक :
अभ्युदय प्रकाशन
C-2/3 विजय इन्क्लेव
पालम-डाबड़ी मार्ग
नई दिल्ली- 110045
9013920832, 9818247813
abhyuday002@gmail.com

डॉ०सुरेन्द्र महतो

अस्सिस्टेंट प्रोफेसर

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय (केन्द्रीयविश्वविद्यालय), नईदिल्ली
जन्म : 05 फरवरी 1973, धर्मडीहा, मधुबनी, बिहार
शिक्षा : ललितनारायणमिथिलाविश्वविद्यालय, दरभंगा कामेश्वरसिंहदरभंगासंस्कृतविश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार, श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय (केन्द्रीयविश्वविद्यालय), नई दिल्ली एवं चौधरीचरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।
विजिटिंगफैकल्टी : मेवारविश्वविद्यालय, राजस्थान, सिंहानियाविश्वविद्यालय, राजस्थान, वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, उत्तरप्रदेश
पूर्वप्रकाशितपुस्तकें : मिथिलाकीलोकसंस्कृति (2019), संस्कृतप्रवेशिका (2017), कोविदानंदविमर्श (2005) 40+ आलेख एवं शोधपत्र राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शोधपत्रिकाओं में प्रकाशित।

डॉ० अजय कुमार शर्मा

शिक्षक, ऐमिटी इंटरनैशनल स्कूल– नौएडा
जन्म : 1970, उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर ज़िले के रूपवास में।
शिक्षा : चौधरीचरण सिंह विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी नैशनल ओपेन यूनीवर्सिटी नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपेन यूनीवर्सिटी इलाहाबाद–उत्तर प्रदेश, मेवाड़ यूनीवर्सिटी– राजस्थान।
शिक्षण अनुभव : न्यू आदर्श पब्लिक स्कूल–लोनी गाज़ियाबाद में लगभग छः वर्ष तक अध्यापन। विबग्योर इंटरनैशनल स्कूल, पिलखुवा में लगभग दो वर्ष तक अध्यापन, डी0एल0एफ0– राजेंद्रनगर– साहिबाबाद– गाज़ियाबाद में तीन वर्ष तक अध्यापन, जेनेसिस ग्लोबल स्कूल– नौएडा में पाँच वर्ष तक अध्यापन कार्य किया।
इन दिनों ऐमिटी इंटरनैशनल स्कूल– नौएडा में अध्यापन कार्य कर रहे हैं।
अनेक राष्ट्रीय सेमिनार, वेबिनार, कार्यशालाओं में शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं।
पुरस्कार : “हिंदी शिक्षण में उत्कृष्ट योगदान” (2016) हेतु पुरस्कृत किया गया।

संस्कृतविश्वविद्यालय-ग्रन्थमालायाः 116 पुष्पम्

द्विवर्षीय अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम : समीक्षात्मक विश्लेषण

(शिक्षा संकाय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी)

(Seminar Proceeding)

8-9 मार्च, 2018

प्रधान सम्पादक

प्रो. मुरलीमनोहर पाठक

कुलपति

सम्पादक

प्रो. रमेश प्रसाद पाठक

प्रो. सदन सि[illegible]

प्रो. रचना वर्मा मोहन

सम्पादक मण्डल

डॉ. विचारी लाल मीणा

डॉ. पिंकी मलिक

डॉ. परमेश कुमार शर्मा

डॉ. आरती शर्मा

शोध-प्रकाशनविभागः

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयः

नवदेहली-110016

प्रकाशक:

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालय:
बी-4, कुतुबसांस्थानिकक्षेत्रम्, नवदेहली-110016

© प्रकाशकाधीनः

प्रकाशनवर्षम् : 2022

ISBN : 81-87987-93-6

मूल्यम् : ₹ 300.00

मुद्रक:
डी.वी. प्रिन्टर्स
97-यू.बी., जवाहरनगरम्, देहली-110007

विषयानुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
प्ररोचना	iii
सम्पादकीय	v
प्रतिवेदन	vii

संस्कृत

1. अध्यापकशिक्षायां नवाचारात्मकाभ्यासाः — 1
   —प्रो. सन्तोषमित्तल

हिन्दी

2. अध्यापक-शिक्षा कार्यक्रम में नवाचारी अभ्यास — 10
   —प्रो. विमलेश शर्मा
3. अध्यापक शिक्षा में नवाचारी अभ्यास — 16
   —डॉ. विचारी लाल मीना
4. अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम की प्रभाविता एवं नवाचारी अभ्यास — 24
   —डॉ. सविता राय
5. अध्यापकशिक्षा पाठ्यचर्या : भाषा शिक्षणशास्त्र — 34
   —डॉ. सुरेन्द्र महतो
6. अध्यापक शिक्षा के द्विवर्षीय पाठ्यक्रम की गुणवत्ता में चुनौतियाँ — 43
   —डॉ. प्रेमसिंह सिकरवार

अध्यापकशिक्षा-पाठ्यचर्या : भाषा शिक्षणशास्त्र

–डॉ. सुरेन्द्र महतो
सहायक आचार्य, शिक्षापीठ
श्री. ला.ब.शा.रा.संस्कृत विश्वविद्यालय

"अध्यापक को समाज अथवा राष्ट्र का शिल्पी कहा गया है। पाठ्यचर्या को शिल्प की रूपरेखा अर्थात् राष्ट्र अपने-आप को सँवारने के लिए, अपने कल को बेहतर बनाने के लिए अपनी पीढ़ी को उसी रूप से तैयार करता है जैसा वह बनाना चाहता है इस उद्देश्य की पूर्ति शिक्षा द्वारा ही संभव है। शिक्षा को संचालन अर्थात् शिक्षण-अधिगम का मुख्य साधन भाषा है जिसकी सहायता से शिल्पी अपने शिल्प को रूपरेखा के अनुरूप तरासने का कार्य करता है अर्थात् भाषा को छेनी व हथौड़ा कहा जाता है तथा शिक्षणशास्त्र को कला की बारीकियाँ कहें तो कोई अतिसयोक्ति नहीं होगी। अतः राष्ट्र अपनी आवश्यकता अनुसार शिक्षाव्यवस्था को विश्वस्तरीय बनाने के लिए समय के अनुसार उसमें बदलाव करता है। भारतीय शिक्षा के इतिहास में इस प्रकार के बदलाव हेतु समय-समय पर कई समीतियों एवं आयोगों का गठन किया गया है। शिक्षा व्यवस्था का मेरूदण्ड कही जाने वाली अध्यापक शिक्षा में भी 2014 में आमूलचूल परिवर्तन किया गया है, जिनके अन्तर्गत विभिन्न कोर्सों को समय व विषयों को ध्यान में रखते हुए पुनः संघटित किया गया है जिसमें भाषा तथा भाषा में शिक्षणशास्त्र के स्थान को उद्घाटित करना इस पत्र का मुख्य ध्येय रहा है।"

संस्कृत विश्वविद्यालय ग्रन्थमाला का 114 पुष्प

अध्यापक शिक्षा के संवर्धन में कौशल विकास : प्रासंगिकता एवं चुनौतियाँ

शिक्षा संकाय द्वारा आयोजित संगोष्ठी-कार्यवृत्त

(Seminar Proceeding)

28-29 मार्च, 2017

प्रधान सम्पादक

प्रो. मुरली मनोहर पाठक

कुलपति

सम्पादक

प्रो. रमेश प्रसाद पाठक

प्रो. सदन सिंह

प्रो. रचना वर्मा मोहन

सम्पादक मण्डल

1. डॉ. सुरेन्द्र महतो
2. डॉ. प्रेमसिंह सिकरवार
3. डॉ. शिवदत्त आर्य
4. डॉ. जितेन्द्र कुमार

शोध-प्रकाशन-विभागः

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयः

नवदेहली-110016

प्रकाशक:

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालय:

बी-4, कुतुबसांस्थानिकक्षेत्रम्, नवदेहली-110016

© प्रकाशकाधीन:

प्रकाशनवर्षम् : 2022

ISBN : 81-87987-91-X

मूल्यम् : ₹ 325.00

मुद्रक:

डी.वी. प्रिन्टर्स

97-यू.बी., जवाहरनगरम्, देहली-110007

7. संस्कृत साहित्य एवं नेतृत्व कौशल 46
—डॉ. सुरेन्द्र महतो

8. नेतृत्व शैली हेतु कौशल विकास 53
—डॉ. शिवदत्त आर्य

9. अध्यापक शिक्षा में कौशल विकास के लिए शिक्षा नीतियों की भूमिका 58
—डॉ. प्रेमसिंह सिकरवार

10. अध्यापक शिक्षा में कौशल विकास 69
—डॉ. विचारी लाल मीणा

11. अध्यापन में सम्प्रेषण-कौशल का महत्त्व 83
—डॉ. प्रदीप कुमार झा

12. अध्यापक शिक्षा के संवर्धन में कौशल विकास : प्रासंगिकता एवं चुनौतियाँ 86
—श्रीमती रेखा चौधरी

13. शिक्षण शास्त्र में कौशल विकास 94
—नवीन आर्य

14. सम्प्रेषण कौशल विकास-विधियाँ एवं व्यूह रचनाएँ 101
—विजय कुमार झा

15. सम्प्रेषण कौशल विकास : भाषा-शिक्षण में उपयोगी 108
—कालीशंकर मिश्र

16. शिक्षणशास्त्र में कौशल विकास 114
—प्रभाकर

17. शिक्षणशास्त्र में कौशल विकास 127
—सन्तोष कुमार काण्डपाल

18. सम्प्रेषण कौशल विकास तथा व्यूह रचनाएँ 138
—देवेश शर्मा

संस्कृतसाहित्य एवं नेतृत्व कौशल

–डॉ. सुरेन्द्र महतो

सहायकाचार्य, शिक्षा संकाय,

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम्, नवदेहली

"...........यो अपां नेता स जनास इन्द्रः"[1]॥ विश्व वाङ्मय का नेता भारतीय वाङ्मय है तथा सम्पूर्ण भारतीय वाङ्मय का आधार वेद है। वेद जितना ही प्राचीन है उससे कहीं अधिक आधुनिक है। अर्थात् प्राचीन तथा आधुनिक ज्ञान का मुख्य स्रोत वेद है। जो वैदिक संस्कृत में निबद्ध है। आधुनिक, लौकिक तथा शास्त्रीय संस्कृत में अन्य शास्त्रों को लिपिबद्ध किया गया है। नेतृत्व शब्द आधुनिक वैश्विक परिदृश्य में अत्यधिक प्रचलन में है। नेतृत्व तथा संस्कृत साहित्य का सम्बन्ध अति प्राचीन है। इस पत्र में भारतीय संस्कृत ग्रन्थों में नेतृत्व के स्वरूप, भेद तथा शैलियों की पड़ताल की गयी है।

"हमारे समक्ष अक्सर यह प्रश्न उठता है कि नेतृत्व व्यवहार जन्मजात होता है अथवा इसे बदला और विकसित किया जा सकता है?" इस प्रश्न का कोई सीधा और सरल जवाब नहीं मिलता है। नेतृत्व, व्यक्तित्व का ही अंग है, इसलिए इसे बाल्यावस्था में ही आस-पास के माहौल से आकार मिलता है और कुछ गुण जन्मजात होते हैं। तथापि व्यवहार बदलना, प्रबन्धन में एक जाँची परखी तकनीक है। नेतृत्व व्यवहार को भी लगातार दृढ़ इच्छाशक्ति तथा प्रयासों से और अधिक प्रभावी बनाने के लिए बदला जा सकता है।[2]

---

1. इन्द्र सूक्त ऋग्वेद 2.12.7
2. शिक्षा में सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन पृ.131

इग्नू
जन जन का
विश्वविद्यालय

MSK-021
संस्कृत वाङ्मय में विज्ञान परम्परा

खण्ड एक	संस्कृत वाङ्मय में विज्ञान : एक परिचय	9
खण्ड दो	संस्कृत में विज्ञान के प्रमुख आचार्य एवं मानक ग्रन्थ–भाग–1	81
खण्ड तीन	संस्कृत में विज्ञान के प्रमुख आचार्य एवं मानक ग्रन्थ–भाग–2	167
खण्ड चार	संस्कृत वाङ्मय का विज्ञान के क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान	243

पाठ्यक्रम विशेषज्ञ समिति

प्रो. उपेन्द्र राव संस्कृत एवं प्राच्य अध्ययन केन्द्र, जे.एन.यू., नई दिल्ली	प्रो. सत्यपाल सिंह संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
प्रो. सुधुमन आचार्य निदेशक, वेद वाणी सदन ओरिएण्टल रिसर्च इंस्टीच्यूट सतना, मध्य प्रदेश	डॉ. उमा शंकर एसोसिएट प्रोफ़ेसर, संस्कृत विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
प्रो. अनिल प्रताप गिरी संस्कृत विभाग, महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी, बिहार	डॉ. सुधाकर मिश्रा संस्कृत व्याकरण विभाग, श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कलकत्ता

पाठ्यक्रम संयोजक एंव सम्पादक : प्रो. कौशल पंवार, संस्कृत अनुशासन, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम निर्माण समिति

पाठ लेखक	इकाई संख्या
डॉ. प्रीति श्रीवास्तव विवेकानंद कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	खण्ड एक : इकाई 1
डॉ. देवेश कुमार मिश्र एसोसिएट प्रोफेसर, संस्कृत संकाय, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू, नई दिल्ली	खण्ड एकः इकाई 2
डॉ. शारदा गौतम दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	खण्ड एकः इकाई 3
डॉ. सुदुमन आचार्य, निदेशक, वेद वाणी सदन, ओरिएण्टल पब्लिकेशन रिसर्च एंड एजुकेशनल इंस्टीच्यूट, सतना, मध्य–प्रदेश	खण्ड एकः इकाई 5
डॉ. बिन्दिया त्रिवेदी, भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	खण्ड दोः इकाई 6
डॉ. कामना विमल सहायक प्रवक्ता, संस्कृत विभाग, दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	खण्ड दोः इकाई 7
डॉ. विजय गुप्ता सहायक प्रोफेसर, सर्वदर्शन विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली	खण्ड दोः इकाई 8, 9
डॉ. अभिनित कुमार श्रीवास्तव सहायक प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	खण्ड एक : इकाई 4 खण्ड तीनः इकाई 10, 11
प्रो. सुरेन्द्र महतो श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ,नई दिल्ली	खण्ड तीनः इकाई 12 खण्ड चारः इकाई 18
डॉ. चेतन बेदी निदेशक शिक्षा विभाग, जीएनसीटी, दिल्ली	खण्ड तीनः इकाई 13
प्रो. दया शंकर तिवारी संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	खण्ड चारः इकाई 15
डॉ. अरविन्द कुमार सहायक प्रोफेसर, मेरठ कॉलेज, मेरठ	खण्ड चारः इकाई 16
डॉ. नारायणदत्त मिश्र चीफ एडिटर व एंकर, डी.डी न्यूज – नई दिल्ली	खण्ड चारः इकाई 19

डॉ. उमा शंकर संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	खण्ड तीनः इकाई 14 खण्ड चारः इकाई 17, 20, 21, 22
डॉ. विजय शंकर त्रिवेदी सहायक प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	खण्ड चारः इकाई 23
डॉ. सुमन रानी भारती कॉलेज, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	खण्ड चारः इकाई 24, 25

सचिवालयीय सहयोग

श्री शशि रंजन आलोक,
सहायक कार्यपालक (डी.पी.), मानविकी विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

सामग्री निर्माण

श्री तिलक राज
सहायक कुलसचिव
सा. नि. एवं वि. प्र.,इग्नू, नई दिल्ली

जून, 2023

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, 2023

ISBN : 978-935568-821-7

सर्वाधिकार सुरक्षित, इस कार्य का कोई भी अंश इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मक्त विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा किसी अन्य साधन से पुनः प्रस्ततु करने की अनुमति नहीं है।

मानविकी विद्यापीठ एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के बारे में विश्वविद्यालय कार्यालय मैदान गढ़ी नई दिल्ली से अधिक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

इंदिरा गाधंी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की आरे से कुलसचिव, सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग, इग्नू द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित

लेजर टाइप सेटिंग : टेसा मीडिया एण्ड कंप्यटूर, C-206, A.F.Enclave-II, नई दिल्ली

मुद्रक : एजुकेशनल स्टोर्स, एस–5 बुलन्दशहर रोड इण्डस्ट्रियल एरिया, साईट–1, गाजियाबाद (उ.प्र.)

पाठ्यक्रमानन्तर भाषा

पर आधारित

स्व-शिक्षण सामग्री

DELHI
SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

वरुण मार्ग, डिफेन्स कॉलोनी, नई दिल्ली-110024

विषयसूची

क्रम संख्या	अध्याय का नाम	लेखक/ लेखिका	पृष्ठ संख्या
1	भाषा का अर्थ, प्रकृति, विशेषताएं एवं भूमिका	श्रीमती भावना शर्मा	1-17
2	भाषायी कौशल	डॉ. मनीषा तनेजा श्रीमती काव्या कनौजिया	18-39
3	जेंडर संवेदनशीलता और रिमझिम श्रृंखला	डॉ रमेश कुमार	40-50
4	पाणिनि वर्णोच्चारण	डॉ चंचल झा	51-65
5	स्फोट सिद्धान्त एवं ध्वनिविज्ञान	डॉ नरेश कुमार बैरवा	66-84
6	भाषा के सम्बन्ध में नीतियाँ और आयोग	श्री पवन कुमार मिश्रा	85-109
7	पाठ्यक्रमानन्तर भाषा	श्री संजय अहिरवार	110-124
8	पाठ्यक्रमानन्तर भाषा उपागम	डॉ नजमा चौधरी	125-139
9	भाषा सीखना तथा भाषा के माध्यम से सीखना	डॉ सुरेंद्र महतो	140-154
10	पाठ्यचर्या में साहित्य का प्रयोग	डॉ चेतन वेदिया	155-165
11	रस सिद्धान्त	डॉ प्रदीप कुमार झा	166-174
12	शब्द शक्ति	श्री बी. एन. दूबे	175-190
13	भाषा-अर्जन, भाषा-अधिगम और भाषा-कौशल	श्री रामगोपाल फगोड़िया	191-207
14	बहुभाषिकता	डॉ लक्ष्मी पाण्डे	208-225
15	विविधरुपिणी भाषा	श्री पवन कुमार मिश्रा	226-243

अध्याय - 9

भाषा सीखना तथा भाषा के माध्यम से सीखना

(डॉ. सुरेन्द्र महतो)*

संरचना

9.1. अधिगम उद्देश्य

9.2. परिचय

9.3. भाषा सीखना तथा भाषा के माध्यम से सीखना

9.3.1. भाषा सीखना

9.3.2. भाषा सीखने की प्रक्रिया

9.3.3. भाषा के माध्यम से सीखना

9.4. सामान्य कक्षा-कक्ष की भाषा

9.4.1. सामान्य कक्षा-कक्ष में अध्यापक अथवा संसाधक की भाषा

9.4.2. सामान्य कक्षा-कक्ष में अधिगमकर्त्ता की भाषा

9.5. कक्षा-कक्ष में भाषा के कार्य

9.5.1. अधिगमकर्त्ता के आत्मविश्वास में वृद्धि करना

9.5.2. नवीन ज्ञान अर्जन में सहायता करना

9.6. सारांश

9.7. शब्दावली

9.8. पाठ्य में प्रश्नों के उत्तर

9.9. स्वमूल्यांकन प्रश्न

---

* सहायक प्रवक्ता, शिक्षा विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली